



www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

हिन्दी दैनिक

देश की उपासना

जौनपुर, लखनऊ व भदोही से प्रकाशित



dku live & dkunews24

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 04 अंक-84 : जौनपुर, मंगलवार 17 मई 2022

सान्ध्य दैनिक (संस्करण)

पेज -4 मूल्य : 2 रूपया

इलाहाबाद फ़ैजाबाद के बाद अब लखनऊ का बदलेगा नाम? सीएम योगी के ट्वीट से मिले संकेत

लखनऊ ब्यूरो : यूपी की राजधानी लखनऊ का नाम बदलने के अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत में सीएम योगी के एक ट्वीट से लखनऊ का नाम बदले जाने की अटकलें लगने लगी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट में लिखा, 'शेषावतार भगवान श्री लक्ष्मण जी की पावन नगरी लखनऊ में आपका हार्दिक स्वागत व अभिनंदन आपको बता दें कि सीएम योगी ने यह ट्वीट अमौसी एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए खींची गई फोटो को टैग करते हुए किया है। इस ट्वीट के बाद यह सवाल उठने लगा है कि लखनऊ का नाम लक्ष्मण जी के नाम पर किया जा सकता है। यह अटकलें इसलिए भी लगाई जा रही हैं, क्योंकि इससे पहले लखनऊ का नाम बदलकर लखनपुरी, लक्ष्मणपुरी और लखनपुर करने की मांग उठाई जा चुकी है। आपको बता दें कि योगी सरकार ने इससे पहले कई जगहों के नाम बदले हैं। इलाहाबाद और फ़ैजाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज और अयोध्या किया जा चुका है। हालांकि सीएम के आधिकारिक ट्विटर हैंडिल से इसी तस्वीर के साथ किए गए ट्वीट की भाषा बदली हुई है। इसमें उन्होंने इस ट्वीट में लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्वागत की बात लिखी है।

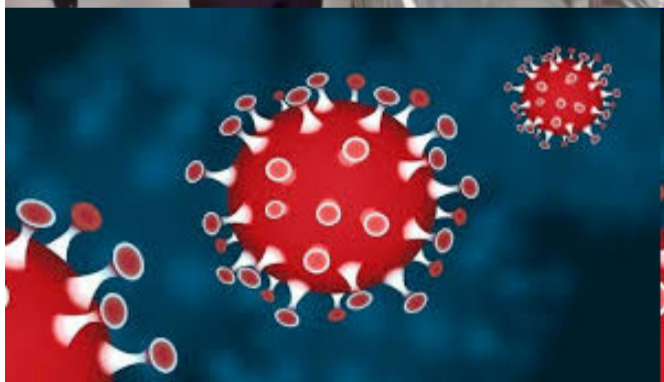


सीएम मोदी ने योगी सरकार के मंत्रियों को पढ़ाया सुशासन का पाठ आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार शाम यहां योगी सरकार के मंत्रियों को सुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने मंत्रियों को संगठन के साथ समन्वय करके काम करने तथा जनता से सतत संवाद स्थापित कर उनकी आकांक्षाओं पर खरा उतरने की नसीहत दी। पीएम मोदी कुशीनगर के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शाम लखनऊ पहुंचे। इससे पहले लखनऊ पहुंचने पर अमौसी एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने पीएम मोदी का स्वागत किया। यह दूसरा मौका था जब मोदी बतौर प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। इससे पहले मोदी 20 जून 2017 को मुख्यमंत्री आवास आए थे। तब राष्ट्रपति चुनाव से पहले का मौका था। इसमें विपक्ष के नेता, धर्मगुरु सहित अन्य खास मेहमान भी बुलाए गए थे। इसके बाद राम नाथ कोविंद भी राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित होने के बाद 25 जून 2017 को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। तब वह भाजपा एवं सहयोगी दलों के सांसदों और विधायकों का समर्थन मांगने योगी के घर पहुंचे थे। इसके अलावा उप राष्ट्रपति वैकेया नायडू भी 24 जनवरी 2018 को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास आए थे। योगी मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रोटोकॉल से हटकर कई हरितियां मुख्यमंत्री आवास आ चुकी हैं।

उत्तर कोरिया में कोरोना महामारी ने ले लिया 'विस्फोटक' रूप : 12 लाख लोगों पर संक्रमण का खतरा

नई दिल्ली एजेंसी : उत्तर कोरिया में कोरोना संक्रमण अब एक बड़ी महामारी का रूप ले चुका है। सरकारी तौर पर यह बताया गया है कि देश में 12 लाख लोगों को 'बुखार' है। यानी उन लोगों में कोविड-19 संक्रमण जैसे लक्षण हैं। 50 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। इस बीच पूरे देश में सख्त लॉकडाउन जारी है। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने स्वीकार किया है कि उत्तर कोरिया की स्थापना के बाद की सबसे बड़ी मुश्किल फिलहाल उसके सामने खड़ी है। पश्चिमी मीडिया की खबरों के मुताबिक उत्तर कोरिया में कोरोना टीकाकरण लगभग ना के बराबर हुआ है। देश की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की पोलिट ब्यूरो की रविवार को बैठक हुई थी। बताया गया है कि किम ने वहां मौजूद अधिकारियों को क्वैरेंटीन नीति पर सख्ती से अमल ना करने के लिए कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने देश में दवाओं की कमी के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। अब किम खुद भी मास्क पहन कर सामने आ रहे हैं। सरकारी मीडिया के मुताबिक उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के आसपास जिन कुछ लोगों के सैंपल लिए गए, उनमें कोरोना वायरस के वैरिएंट ओमिक्रॉन के एक सब-वैरिएंट का संक्रमण पाया गया। विश्लेषकों का कहना है कि हालांकि उत्तर कोरिया में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 12 लाख तक बताई गई है, लेकिन यही सही संख्या है, यह नहीं कहा जा सकता। संभव है कि ऐसे भी संक्रमित लोग इससे अधिक संख्या में हों, जिनकी जांच ना हुई हो। अमेरिका स्थित रिटमसन सेंटर के उत्तर कोरिया से जुड़े प्रभाग के निदेशक

जेनी टाउन ने कहा- 'ऐसा लगता है कि नैरेटिव अपने पक्ष में रखने की कोशिश में किम कोरोना विरोधी अभियान का नेतृत्व करते दिख रहे हैं। लेकिन साथ ही वे दोष निचले स्तर के अधिकारियों पर डाल रहे हैं।' अमेरिका सरकार के पूर्व अधिकारी विक्टर चान ने वेबसाइट एफियांस.कॉम से कहा- 'वायरस का बेकाबू होना दुस्वप्न के साकार होने जैसा है। इससे उत्तर कोरिया में अस्थिरता पैदा हो सकती है।' इस चिंताजनक



हाल के बावजूद उत्तर कोरिया ने अभी तक विदेशी मदद स्वीकार नहीं की है। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी मीडिया जिस तरह स्थिति की गंभीरता को बता रहा है, उससे संभव है कि किम सरकार विदेशी मदद स्वीकार करने की तैयारी कर रही हो। विदेशी मदद लेना हमेशा ही उत्तर कोरिया में एक संवेदनशील मुद्दा रहा है। लेकिन अब संभव है कि संयुक्त राष्ट्र की तरफ से आने वाली मदद को स्वीकार करने के लिए वह तैयार हो जाए। इस सदी में उत्तर कोरिया इबोला, मेर्स और सार्स जैसी महामारियों से खुद को बचाए रखने में सफल रहा था। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में न्यूरो सर्जन की पार्क ने एक्सप्लेन.कॉम से कहा है- 'उन मौकों पर उत्तर कोरिया ने अपनी सीमाएं बंद कर दीं और महामारी थमने का इंतकार किया।' कोविड-19 में भी दो साल इसी उपाय से उसने खुद को मोटे तौर पर बचाए रखा था। लेकिन खबरों के मुताबिक अब ये महामारी वहां 'विस्फोटक' रूप ले चुकी है।

निर्माणाधीन डिस्कवरी लैब का सीडीओ ने किया निरीक्षण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ल व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर में बन रहे निर्माणाधीन डिस्कवरी लैब का निरीक्षण किया। कार्य प्रगति की जमकर सराहना किया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि यह लैब जनपद में स्थापित होने वाला पहला लैब है इसमें किसी तरह के संसाधन की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कम से कम लागत में बच्चों के लिए स्मार्ट टीवी कम्प्यूटर टैलीस्कोप श्री डी अडिस्ट सहित विज्ञान के 150 से अधिक उपकरण एवं मॉडल स्थापित किये जाएंगे। इस लैब के माध्यम से बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं जिज्ञासु प्रवृत्ति को विकसित करना है। तथा बच्चों स्वयं टेलीस्कोप, व अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से खगोलीय घटनाओं एवं दैनिक जीवन में घटित होने वाले भौतिक, रसायन व जीव

विज्ञान इत्यादि से सम्बन्धित परिघटनाओं को समझेंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने कहा इस लैब की स्थापना होने के बाद बेसिक शिक्षा में पढ़ने वाले आस पास के बच्चों के अधिगम में गुणात्मक सुध



तार एवं उनके नामांकन तथा ठहराव पर भी सकात्मक प्रभाव पड़ेगा। खंड विकास अधिकारी अनिल सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी राजीव बीईओ ने पुरी कार्ययोजना प्रस्तुत करते सीडीओ को आश्चस्त किया कि अगले दो दिन में लैब पूरी तरह सुसज्जित होकर तैयार हो जायेगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक व प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह सेक्रेटरी अरुण यादव व ग्राम प्रधान जयशंकर यादव ब्लाक अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह शिवम सिंह दिनेश कुमार राकेश सिंह श्यामधर यादव मुकेश दुबे मनोज कुमार इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

23 मई को लखनऊ में कायस्थ महासभा का सम्मान समारोह होगा आयोजित

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव के संयोजन में गत विधानसभा चुनाव में अपने परिवार से राष्ट्रसेवा में निकले राजनीति में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित विधायकों व अन्य विभूतियों का सम्मान समारोह आगामी 23 मई को लखनऊ में स्थित सहकारिता भवन सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप्र सरकार के उपमुख्यमंत्री

बुजेश पाठक व विशिष्ट अतिथि उप्र सरकार के वन पर्यावरण राज्यमंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, आबकारी राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री विश्व विमोहन कुलश्रेष्ठ तथा मुख्य वक्ता भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव होंगे, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री पीसीएल श्रीवास्तव रहेंगे।

अतिक्रमण के सम्बन्ध में

जौनपुर सू.वि. : अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व रजनीश राय ने अवगत कराया है कि क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, गुरु धाम मन्दिर परिसर, वाराणसी के पत्र द्वारा शाहीपुल जौनपुर में स्थित दुकानों के संबंध में मा० उच्च न्यायालय इलाहाबाद में दायर रिट याचिका संख्या-8979/2022 के कम में अवगत कराया गया है कि जनपद जौनपुर स्थित शाहीपुल एवं उससे सम्बद्ध दुकानें उ०प्र० राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा शासकीय अधिसूचना

उप राजस्व अधिकारी जौनपुर द्वारा दी गयी सूचना

संख्या-5753/चार-10(06)/70 दिनांक 20.06.1978 के द्वारा संरक्षित घोषित की गई है। विभाग द्वारा प्रशंगत दुकानों का न तो आवंटन किया गया है और न ही किसी भी तरह के किराये की वसूली की गयी है। प्राथमिकता द्वारा प्रस्तुत जवाब एवं साक्ष्य के आलोक में पोषणीय नहीं है। उ०प्र० राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित घोषित किये जाने से अब तक किराया वसूली व स्मारक एवं उससे सम्बद्ध दुकानों के सम्यक रख-रखाव आदि हेतु

24 मई 2022 को होगी साइकिल स्टैण्ड नीलामी की कार्यवाही

जौनपुर सू.वि. : अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व रजनीश राय ने सर्वसाधारण को अवगत कराया है कि वितीय वर्ष 2022-23 में साइकिल स्टैण्ड कलेक्ट्रेट जौनपुर के पश्चिमी भवन के पीछे दक्षिण तरफ अधिवक्ता भवन के सामने, कलेक्ट्रेट जौनपुर के पश्चिमी भवन के पीछे उत्तर तरफ अधिवक्ता भवन के सामने एवं कलेक्ट्रेट जौनपुर में स्थित उत्तरी पार्क के उत्तर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बगल की साइकिल स्टैण्ड नीलामी की कार्यवाही 24 मई 2022 को कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में सायं 04.30 बजे की जायेगी। उक्त साइकिल स्टैण्ड की नीलामी के लिए अधिक जानकारी हेतु कलेक्ट्रेट नजारात कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

आधार प्रमाणीकरण किये जाने की प्रक्रिया शुरू

जौनपुर सू.वि. : जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने अवगत कराया है कि पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना हेतु सर्वप्रथम गुगल पर sspy&up.gov.in पर जाये, यदि लाभार्थी को अपना रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं पता है जो निराश्रित महिला पेंशन सेलेक्ट करके पेंशन सूची में जाये। अपना जनपद सेलेक्ट करें विकासखण्ड सेलेक्ट करें, ग्राम पंचायत सेलेक्ट करें। मजरा सेलेक्ट करें। पूरी पेंशन सूची होगी जिससे अपना रजिस्ट्रेशन संख्या नोट कर लें, अब पुनः इन्ट्रीगटेड पेंशन पोर्टल पर जाये तथा लाल रंग की पट्टी आधार प्रमाणीकरण के लिए प्लेक्स हो रही हैं, पेंशन का प्रकार सेलेक्ट करें। विडों पेंशन चयन करें। रजिस्ट्रेशन नं०

दर्ज करें। मोबाईल नं० दर्ज करें, कॅप्चा लिखे फिर सबमिट करें, आपक मोबाईल पर ओटीपी आयेगा। ओटीपी को दर्ज करें, तथा सबमिट करें, इस प्रकार से आपका मोबाईल नं० आनलाईन रजिस्टर्ड हो गया। अब आपको दूसरे चरण में आधार प्रमाणीकरण करना होगा, आधार प्रमाणीकरण द्वितीय चरण में होता है अब होम पेज पर जाये पेंशन लॉगिन पर रजिस्ट्रेशन नं० यूजर आ०डी० की तरह दर्ज होगा, तथा आपका मोबाईल नं० पासवर्ड होगा, रजिस्ट्रेशन नं० दर्ज करें, पासवर्ड के स्थान पर मोबाईल की पट्टी आधार प्रमाणीकरण के लिए प्लेक्स हो रही हैं, पेंशन का प्रकार सेलेक्ट करें, आपक मोबाईल पर दुबारा ओटीपी आयेगा। ओटीपी दर्ज करें।

तत्पश्चात सबमिट करें, यदि आपका नाम पेंशनर सूची में आधार के सामान है तो आपका रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ आधार प्रमाणीकरण हो जायेगा, यदि पेंशनर सूची में आधार से नं० आनलाईन रजिस्टर्ड हो गया है तो आपका नाम पेंशनर सूची में नाम व आधार के नाम में अन्तर होने पर किसी भी दशा में दोबारा प्रयास न करें अन्यथा आपका डाटा लॉक हो जायेगा।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़ने और ई-पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें- उ०प्र० के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बनने के लिए सम्पर्क करें-

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

-संपादक

4 जून को गोरखपुर आंग्रे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : गीताप्रेस के प्रबंधक लालमणि तिवारी ने बताया कि शताब्दी वर्ष समारोह का शुभारंभ 14 अप्रैल को पूजन-अर्चन से हो चुका है। राष्ट्रपति की उपस्थिति में गोष्ठी का पहला बड़ा कार्यक्रम होगा। गोष्ठी का कोई विषय नहीं रखा गया है। राष्ट्रपति स्वेच्छा से अपना उद्बोधन देंगे। सबसे पहले वह लीला चित्र मंदिर का भ्रमण करेंगे। इसके बाद गोष्ठी में शामिल होंगे। 13 दिसंबर को गीता जयंती और 3 मई 2023 को समापन अवसर पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समापन समारोह में वृंदावन के श्रीमल्लूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास महाराज ने भक्तमाल कथा आयोजित करने की अनुमति प्रदान कर दी है। विदित हो कि गीता प्रेस की स्थापना 14 मई 1923 को जय दयाल गोएंका ने की थी। जिसका उद्देश्य घर-घर में श्रीमद्भगवत गीता को पहुंचाना रहा है। इस प्रक्रिया में अब तक 80 करोड़ से अधिक धार्मिक पुस्तकें गीता प्रेस से छप चुकी हैं। 96 वर्ष से निरंतर चल रही कल्याण पत्रिका की भी 15 करोड़ से अधिक प्रतियां अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। विश्व प्रसिद्ध गीता प्रेस अब तक 80 करोड़ से अधिक धार्मिक पुस्तकें और 15 से अधिक कल्याण पत्रिका के अंक प्रकाशित कर चुका है। गीता प्रेस 18 भाषाओं में 1800 तरह की पुस्तकों का प्रकाशन करता है।

समय पर जांच एवं व्यायाम से कम होंगे उच्च रक्तचाप - प्रो. वंदना राय

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में मंगलवार को वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. वंदना राय ने कहा कि भारत में प्रतिवर्ष उच्च रक्तचाप के कारण 16 लाख लोगों की मौत हो जाती है। यह बीमारी दिन प्रतिदिन भयानक रूप लेते जा रही है। व्यायाम की कमी व शहरी दिनचर्या के कारण शहरों में ग्रामीण क्षेत्र के मुकाबले अधिक लोग तनाव



के शिकार हो रहे हैं। इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है, क्योंकि उच्च रक्त चाप होने पर ये शरीर के सभी अंगों को प्रभावित करता है। मुख्य रूप से हृदय मस्तिष्क और किडनी को ज्यादा प्रभावित करता है। प्रतिवर्ष लाखों लोग हृदय से संबंधित बीमारियों व स्ट्रोक का शिकार होते हैं। यह युवाओं में भी चपेट में रही है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी के लिए अनेकों दवाएं उपलब्ध हैं जिन्हें समय पर लेने से इस बीमारी का प्रबंधन किया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि प्रतिदिन लगभग तीस मिनट से अधिक व्यायाम करने से हम पूर्ण रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं व प्रतिदिन आने वाले तनाव से बचने के लिए योग व सकारात्मक मानसिक स्थिति को विकसित कर हम इस रोग से बच सकते हैं। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को इस बात की शपथ दिलाई गई कि वह प्रतिदिन लगभग 30 मिनट तक शारीरिक व्यायाम अवश्य करेंगे। साथ ही अन्य लोगों को भी इस बीमारी के बारे में जागरूक करेंगे। कार्यक्रम का संचालन श्री शुभम सिंह धन्यवाद ज्ञापन अमृता चौधरी ने किया। इस अवसर पर रवि, गुरु प्रसाद अनिकेत आनंद अजय शिवम सत्यम अभिषेक शिवांगी, ओजश्विनी, सुप्रिया, श्रेया, निधि रेनु, सरोजिनी प्राची साधना नंदिता, अनुराधा आदि ने प्रतिभाग किया।

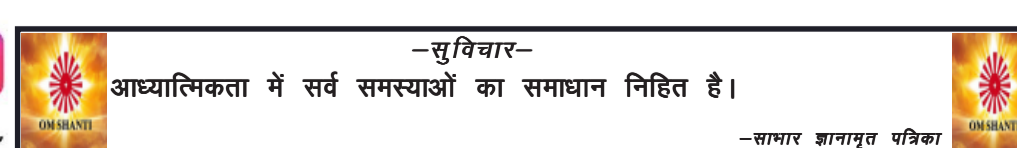
भाजपा राष्ट्रीय नेता व काशी क्षेत्र अध्यक्ष महेश चन्द श्रीवास्तव का 22 मई को होगा जौनपुर आगमन

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : भाजपा के राष्ट्रीय नेता व भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष मा महेश चन्द श्रीवास्तव जी का आगमन जौनपुर 22 मई रविवार को शाम को हो रहा है। क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा वाराणसी से चलकर शाम को जौनपुर पहुंचेंगे और संगत पंगत जौनपुर द्वारा अभिनंदन समारोह व कार्यक्रम में भाग लेने के उपरांत लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। कार्यक्रम आयोजक व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट व भाजपा नगर अध्यक्ष दक्षिणी अमित श्रीवास्तव ने बताया कि क्षेत्र अध्यक्ष भाजपा काशी क्षेत्र जी के जौनपुर आगमन पर जोरदार स्वागत किया जायेगा।

-सुविचार-

आध्यात्मिकता में सर्व समस्याओं का समाधान निहित है।

-सामर ज्ञानमृत पत्रिका



सन्त निरंकारी मिशन द्वारा निःशुल्क प्याऊ लगाया गया

अयोध्या।(सरवन कुमार नगर संवाददाता) सन्त निरंकारी मिशन द्वारा सामाजिक सदभाव और मिलवर्तन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न जनउपयोगी आयोजन किए जाते हैं जिससे कि मानव मानव के निकट आए , एक दूसरे के काम आए।सदगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज आपसी प्यार और मिलवर्तन को बढ़ावा देने के लिए सत्संग के साथ साथ अन्य सामाजिक कार्यों में योगदान्दने की प्रेरणा देते हैं। मानव सेवा के इसी लक्ष्य की पूर्ति

के लिए प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र कोटवा धाम में मिशन की ओर से प्याऊ और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया जिसका उदघाटन अरविंद महाराज ने फीता काटकर किया अरविंद महाराज ने कहा की मानव की सेवा व सर्वोँ राम संवा है वास्तविकता में यही परमात्मा की सेवा है।सनातन से सेवा की यही रीत चली आई है। सभी में परमात्मा की उपस्थिति मानकर सबकी सेवा करना, सबका सत्कार करना ही सच्चा मानव

धर्म है सन्त निरंकारी मिशन रूढीली शाखा के मुखी राम चंद्र यादव ने कहा कि सन्त निरंकारी मिशन मानव में ईश्वर की मूरत देख कर हर किसी की करने की प्रेरणा देता है। सभी सुखी हों सभी प्रसन्न हों सबके लिए सतगुरु के हृदय से सेवाएं प्राप्त होती हैं। सन्त निरंकारी मिशन के स्वयं सेवकों ने अपनी समर्पित सेवा से सबका मन मोह लिया। राम कुमार वर्मा जी ने अपना भरपूर योगदान दिया।

कांग्रेसियों ने मनाया गौतम बुध का जन्मदिन

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)कोतवाली नगर के रिकाबगंज स्थित कार्यालय कमला नेहरू भवन पर तथागत भगवान बुद्ध की जयंती पर कांग्रेस जनॉं ने भगवान बुद्ध का जन्म उत्सव मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ निर्मल खत्री ने भगवान बुद्ध के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया।इस अवसर पर पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने कहा तथा तथागत भगवान बुद्ध ने सत्य अहिंसा एवं करुणा का संदेश दिया।भगवान बुद्ध ईश्वर के अवतार माने जाते हैं। उनका

जन्म दुनिया के कल्याण के लिए हुआ था। वो अत्यंत भावुक और संवेदनशील थे।इस मौके पर पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने कहा कि बुद्ध ने सिखाया कि प्रत्येक जीव का अंतिम लक्ष्य ‘निर्वाण’ की प्राप्ति है। ‘निर्वाण’ न तो प्रार्थना से और न ही बलिदान से प्राप्त किया जा सकता है। इसे सही तरह के रहन–सहन और सोच से हासिल किया जा सकता है।इस कार्यक्रम का संयोजन पूर्व विध्ानसभा प्रत्याशी रीता मौर्या ने किया।वही इस कार्यक्रम की अध् यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष रामदास वर्मा तथा संचालन महानगर

पूर्व विधायक सीपू हत्याकांड में कुख्यात कुंटू सिंह सहित नौ दोषियों को आजीवन कारावास

आजमगढ ब्यूरो : पूर्व विधायक सर्वेश सिंह सीपू हत्याकांड में मंगलवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाया। पिछले मंगलवार को न्यायाधीश रामानंद ने कुख्यात ध्रुव सिंह कुंटू सिंह समेत 9 अभियुक्तों पर दोष सिद्ध कर दिया था। 12 तारीख को फैसला सुनाया जाना था लेकिन फिर इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। मंगलवार को कोर्ट ने ध्रुव सिंह सहित सभी नौ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। बताते चलें कि 19 जुलाई 2013 को पूर्व विधायक सर्वेश सिंह उर्फ सीपू सिंह की जीवनपुर कस्बा स्थित उनके आवास के सामने ही बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। इस मामले में पूर्व विधायक के भाई ने जीवनपुर कोतवाली में कुख्यात ध्रुव कुमार सिंह उर्फ कुंटू सिंह समेत अन्य के खिलाफ तहरीर दी थी। प्राथमिक विवेचना के बाद जीवनपुर कोतवाली पुलिस ने कुंटू समेत कुल 11 के खिलाफ आरोप

15 मई की शाम शहीद सुखदेव के नाम : खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राष्ट्रीय सैनिक संस्था एनसीआर के संयोजक राजीव जोली खोसला के सानिध्य में शहीद सुखदेव जी के 115 में जन्म दिवस पर उनके परिवार के सदस्य अनुज और अनिल थापर और स्वतंत्रता सेनानी संपीत्र राकेश कोइली ,राजन जी , प्रो सपना बंसल, हितेश शर्मा, सोनू चंदेल अनुज शर्मा, सुशील खन्ना ,चमन नागर ,सूरज भट्ट, आरिफ देहलवी, डीके मेंदीरता ,अन्य कवियों के साथ एक्स एक्स एक्स स्टूडियो निर्माण विहार में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें युवाओं को राष्ट्रप्रेम के प्रति शपथ दिलवाई हमारे क्या कर्तव्य है यह अनुज जी ने बताया क्रांतिकारी सुखदेव का नाम हमेशा वीर जवानों की श्रेणी में लिया जाता रहा है।

सांडर्स हत्या का केस सम्राट बनाम सुखदेव व अन्य के नाम से चला था।सुखदेव का जन्म पंजाब के लुधियाना शहर में श्रीयुत रामलाल थापर और श्रीमती रत्नली देवी के घर पर 15 मई 1907 को हुआ था। इनके पिता का स्वर्गवास हो जाने के कारण इनका पालन–पोषण इनके ताऊ अचिन्तराम ने किया था।सुखदेव और भगत सिंह दोनों ‘लाहौर नेशनल कॉलेज’ के छात्र थे। ताज्जुब ये है कि दोनों ही एक ही साल में पैदा हुए और एक ही साथ शहीद हुए थे।सुखदेव ने भगत सिंह, कॉम्प्रेड राममन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन किया था। वर्ष 1926 में लाहौर में ‘नौजवान भारत सभा’ का गठन हुआ। इसके मुख्य सुखदेव, भगत सिंह, यशपाल,

मैं तुम्हारी गोमती हूं नामक अभियान का नवां चरण सुशील सीतापुरी एवं विकास गुप्ता के नेतृत्व में आरंभ

हरदोई।(अम्बरीष कुमार सक्सेना)। ‘ मैं तुम्हारी गोमती हूं ’ अभियान का नवां चरण हरदोई व सीतापुर जनपदों की सीमा पर स्थित गोमती व कठिना नदी के संगम से प्रारंभ हुआ। अभियान दल के सदस्य सुशील सीतापुरी व विकास गुप्ता संगम स्थल पर पहुंचे और उन्होंने लोगों से गोमती को लेकर जानकारीयां हासिल की। गोमती अभियान के संयोजक सुशील सीतापुरी ने बताया कि उन्होंने हरदोई जनपद की सीमा में पड़ने वाले करनपुर घाट व पकरिया घाट का भी भ्रमण किया और स्थानीय निवासियों से गोमती से संबंधित सूचनाओं का आदान– प्रदान किया। यात्रा का पड़ाव नैमिषारण्य के पास रुद्रावर्त घाट पर हुआ। उन्होंने बताया

कि चपरतला (खीरी) की स्वयंसेवी संस्था सेवा सदन की ओर ‘ मैं तुम्हारी गोमती हूं ’ अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत



आदिगंगा के घाटों धार्मिक स्थलों, मेलों, परंपराओं तथा निकटवर्ती गांवों के जनजीवन का अध्ययन किया जा रहा है। इसमें प्राप्त जानकारीयों को लखनऊ से प्रकाशित शब्दसत्ता में प्रकाशित किया जा रहा है जिसे भविष्य में पुस्तक रूप में प्रकाशित किये जाने की योजना है।

राष्ट्रीय कवि दामोदर स्वरूप विद्रोही की स्मृति में काव्य संध्या का आयोजन

हरदोई।(अम्बरीष कुमार सक्सेना) विद्रोही स्मृति न्यास द्वारा राष्ट्रीय कवि दामोदर स्वरूप विद्रोही की स्मृति में काव्य संंध्या का आयोजन साउथ सिटी में विवेक विद्रोही के संयोजन में किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि ज्ञानेंद्र मोहन ‘ज्ञान’ ने नवगीत सुनाए– यूँ ही दर्पण के समुख जा खड़े हो गए हम, हमने आज खंगाला अपने भीतर का मौसम। आक्रोश के कवि सुशील दीक्षित ‘विचित्र’ ने गजल सुनाई– गिनते–गिनते कई मशीनें फेल हुईं, कितने चढ़े नकाब हमारे शहरों में। आदमखोर अहिंसा के हैं बॉट रहे, सबको रोज खिताब हमारे शहरों में। वरिष्ठ गीतकार बृजेश मिश्रा गीत सुनाया अल्लड उन्मादी सी चढ़ती जवानी सी, बही प्रतिबंध सभी तोड़ कर नदी। वहां गईं पर्वत को छोड़कर नदी।नवगीतकार डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने गीत सुनाया– जिंदगी तुम बिन मरुस्थल, रेत कण, ताप से अभिशप्त सूखा एक तृण। आ भी जाओ, है जरूरत एक सावन की। कवि और रंगकर्मी डॉ अरुण प्रताप

सुहाना लगा। बाहरी दृष्टि से देखा नई तुम लग्ीं, मन की आंखों से परिचय पुराना लगा। कवि कौशलेंद्र मिश्र, आशीष त्रिपाठी और प्रमोद अग्रवाल ने भी काव्य पाठ किया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी राजीव गुप्ता ने कहा कि दामोदर स्वरूप विद्रोही ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से जनपद का नाम रोशन किया। साहित्य की जो कीर्ति उन्होंने प्राप्त की उस पर हम सबको गर्व है। गोष्ठी में प्रमुख रूप से सोहन लाल तिवारी एवं श्रीमती सुमन गुप्ता आदि उपस्थित रहे। इससे पूर्व सभी अतिथियों ने दादा विद्रोही जी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गोष्ठी का संचालन डॉ प्रशांत अग्निहोत्री ने तथा आभार संयोजक विवेक विद्रोही ने व्यक्त किया।



सुनवाई का निर्णय लिया है। ताकि नष्ट न किए जा सकें सबूत उन्होंने प्रतियदियों पर आरोप लगाया है कि वह ईदगाह परिसर से उन सबूतों को नष्ट कर सकते हैं, जिनसे स्पष्ट होता है कि भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर तोड़कर ईदगाह तैयार की गई है। इस संबंध में अधिवक्ता मस्जिद का सर्वे कराने की भी मांग बता दें मथुरा में नारायणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष यादव, अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषा्यक्ष दिनेश शर्मा और श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्याय के राष्ट्रीय अध् यक्ष एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने

पत्नी को पता ही नहीं चला, हो गया है तलाक : इंस्टाग्राम पर दिखी फोटो से खुला राज

आगरा ब्यूरो : आगरा में तलाक देने का एक अजीब मामला प्रकाश में आया है। इसमें महिला को पता ही नहीं चला कि उसके पति ने उसे तलाक दे दिया है। तलाक के बाद भी वह साथ रह रहा था। दो साल बाद दूसरे जिले में ट्रांसफर होकर जाने के बाद उसने दूरी बढ़ा ली। बीते दिनों इंस्टाग्राम पर पति को दूसरी महिला के साथ देखने पर वह ससुराल व कोर्ट पहुंची तो यह राज खुला। अब पीड़िता ने महिला थाने में पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है, बताया कि उसके साथ धोखा हुआ है। 2017 में हुई थी शादी थाना शाहगंज क्षेत्र की रहने वाली युवती की शादी फरवरी 2017 में थाना मलपुरा क्षेत्र के युवक के साथ हुई थी। पति सरकारी नौकरी करता था और वह शादी के समय दिल्ली में नौकरी कर रहा था। पीड़िता ने बताया कि शादी के बाद वह भी पति के साथ दिल्ली रहने लगी। पति का ट्रांसफर आगरा हुआ तो वह भी साथ में आगरा आ गई। दोनों ने शादी की वर्षगांठ और एक–दूसरे का जन्मदिन मनाया। पति ताजमहल दिखाने ले गया और शॉपिंग भी कराई। 2021 में हो गया था पति का ट्रांसफर इसके बाद पति का ट्रांसफर दिसंबर 2021 में गुवाहाटी हो गया। वह पति को छोड़ने दिल्ली एयरपोर्ट तक गई। इसके बाद छुट्टियों पर आकर पति ने उसे मायके छोड़ दिया। इसके बाद पति का व्यवहार अचानक बदल गया। फोन उठाना बंद कर दिया और मैसेज के जवाब भी नहीं दिए। इंस्टाग्राम से खुला राज पीड़िता ने बताया कि इसी बीच उसने पति को दूसरी महिला के साथ इंस्टाग्राम पर देखा तो पैरों तले जमीन खिसक गई। वह ससुराल पहुंची तो ससुराल वालों ने घर में नहीं घुसने दिया। बताया कि 2019 में ही तलाक हो चुका है। पीड़िता ने जब कोर्ट जाकर जानकारी की तो पता चला कि पति ने उसे धोखा देकर तलाक ले लिया है।

देश की उपासना

सम्पादकीय

हिंदुत्व और राष्ट्रवाद : दक्षिण में ताकत बनती भाजपा

वर्ष 2020 के अंत में हैदराबाद में हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में भाजपा ने बहुत रुचि दिखाई और वहां हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का कार्ड बेहद प्रभावी तरीके से खेला गया। उसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा को 48 वार्डों में विजय मिली। उस चुनाव में भाजपा की शानदार सफलता ने राज्य के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा–विरोधी राजनीतिक गठबंधन बनाने की योजना ध्वस्त कर दी थी।

केंद्र में भाजपा की सरकार होने और उत्तर भारत में इसकी अभूतपूर्व मजबूती के बावजूद कुछ समय पहले तक भी दक्षिण भारत के ज्यादातर राज्यों में हिंदुत्व की राजनीति का कोई खास प्रभाव नहीं था। लेकिन दक्षिण भारत में आश्चर्यजनक रूप से अब भाजपा का असर दिखाई देने लगा है। निकट अतीत की एकाधि।क घटनाओं ने दक्षिण में भाजपा की पैठ बढ़ाने में भूमिका निभाई है। कर्नाटक दक्षिण भारत का अकेला राज्य है, जहां भाजपा पिछले कई दशकों से मजबूत है।

उल्लेखनीय है कि के. एच. सुदर्शन, एच. वी. शोषाद्रि और दत्तात्रेय होसबोले जैसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेता की जड़ें कर्नाटक में हैं। इस राज्य में भाजपा के ताकतवर होने का एक कारण यह भी है कि यहां कोई क्षेत्रीय पार्टी मजबूती से उभर नहीं पाई। यह आकस्मिक नहीं है कि कर्नाटक में भाजपा का उभार बीती सदी के आखिरी दशक में तब हुआ, जब वहां कांग्रेस खत्म हो रही थी। हाल के दिनों में वहां हिजाब के अलावा उठे दूसरे मुद्दों से हिंदुत्व की राजनीति के उत्तरोत्तर मजबूत होने का ही पता चलता है।

वहां विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगडे ने हाल ही में यह टिप्पणी की है कि संघ परिवार से जुड़े होने का उन्हें गर्व है। इसी तरह बसवराज बोम्मई सरकार में मंत्री के. एस. ईश्वरप्पा ने कहा है कि एक दिन ऐसा आएगा, जब भाजपा का झंडा राष्ट्रीय झंडा बनेगा। गौर करने वाली बात यह भी है कि हिजाब से जुड़े विवाद के दौरान राज्य में अनेक लोगों ने खुलेआम यह कहा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है, इसलिए क्लासरूम में हिंदुत्व की पहचान से जुड़ी वस्तुओं के साथ हिजाब की तुलना नहीं की जा सकती। खुद मुख्यमंत्री बोम्मई कुछ महीने पहले बजरंग दल द्वारा की गई हिंसा को घटना की प्रतिक्रिया बताते हुए सही ठहरा चुके हैं। राज्य में हिंदुत्व के बढ़ते दबदबे के कारण ही पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट शेयर 50 फीसदी से अधिक था। तमिलनाडु में भाजपा की वैसी उपस्थिति भले न हो, पर मौजूदा विधानसभा में पार्टी के चार विधायक हैं। भाजपा जानती है कि इस दक्षिणी राज्य में राम के नाम पर राजनीति करना कठिन है, इसलिए उसने राम की जगह मुरुगा को महत्व दिया है।

‘कंडा फट्टि कवचम’ विवाद से भी राज्य में भाजपा ने अपनी प्रासंगिकता बनाई है। हाल में ‘पट्टिना प्रवेशम’, जिसमें शैव मत के महंत को पालकी में बिठाकर कंधों पर ले जाने की परंपरा है, पर हुआ विवाद भी राज्य में हिंदुत्व के बढ़ते असर का प्रमाण है। द्रमुक सरकार ने पहले धर्मपुर मठ में इस पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन बढ़ते दबाव के कारण उसे वह प्रतिबंध हटाना पड़ा। कभी द्रमुक मंदिरों में जाने और भगवान के सामने पूजा करने की सख्त आलोचना करती थी, लेकिन अब इसी पार्टी के नेताओं को अपनी धार्मिक निष्ठा के बारे में बताते हुए हिचक नहीं होती। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि तमिलनाडु के लोग हिंदू धर्म और राजनीतिक हिंदुत्व के बीच का फर्क बखूबी समझते हैं। इसके बावजूद राज्य में हिंदुत्व के बढ़ते असर से इनकार नहीं किया जा सकता। इसका बड़ा प्रमाण यह भी है कि मुख्यमंत्री के रूप में स्तालिन के एक साल के कार्यकाल की तीखी आलोचना भाजपा ने ही की है। आंध्र प्रदेश में भाजपा की वैसी उपस्थिति नहीं है, लेकिन चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी (तेलगु देशम पार्टी) जिस तरह खुद को भाजपा की समर्थक के रूप में पेश कर रही है, उससे साफ है कि वहां हिंदुत्व की जमीन तैयार करने की कोशिश हो रही है।

यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा की रणनीति के जरिये नायडू अपनी पार्टी का जनाधार मजबूत करने में लगे हैं। चूंकि राज्य के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ईसाई हैं, इस कारण नायडू उन पर धर्मांतरण को प्रोत्साहित करने का आरोप लगा चुके हैं। पिछले दिनों उन्होंने कहा, ‘जगन मोहन रेड्डी बेशक ईसाई हैं, लेकिन हिंदुओं का धर्मांतरण करने के लिए राज्य के संसाधनों का इस्तेमाल करना गलत है।’ जगन मोहन रेड्डी पर यह भी आरोप लगाया गया है कि उनमें हिंदू परंपराओं के प्रति कोई सम्मान नहीं है।

इसकी प्रतिक्रिया में मुख्यमंत्री रेड्डी ने नौ मंदिरों के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी। वर्ष 2024 में आंध्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और भाजपा का मानना है कि वहां राजनीतिक लड़ाई त्रिकोणीय होगी। जहां तक तेलंगाना की बात है, तो वहां हिंदुत्व के असर का प्रमाण यह है कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा वहां कुल सत्रह में से चार लोकसभा सीटें जीतकर सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के बाद दूसरे स्थान पर थी। तेलंगाना में हैदराबाद हिंदुत्व के उभार का मुख्य केंद्र है।

वर्ष 2020 के अंत में हैदराबाद में हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में भाजपा ने बहुत रुचि दिखाई और वहां हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का कार्ड बेहद प्रभावी तरीके से खेला गया। उसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा को 48 वार्डों में विजय मिली। उस चुनाव में भाजपा की शानदार सफलता ने राज्य के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा–विरोधी राजनीतिक गठबंधन बनाने की योजना ध्वस्त कर दी थी। उसके बाद राव ने अपना पूरा ध्यान तेलंगाना की राजनीति पर केंद्रित कर लिया। तेलंगाना में रामानुजाचार्य की प्रतिमा के अनावरण को हिंदुत्व की बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर, कांग्रेस को तेलंगाना में न केवल किसी क्षेत्रीय पार्टी का समर्थन प्राप्त नहीं है, बल्कि हाल ही में उदयपुरा में संपन्न चिंतन शिविर में ‘एक परिवार–एक टिकट’ का प्रस्ताव तेलंगाना के अनेक कांग्रेस नेताओं के लिए झटका है, क्योंकि वहां अनेक कांग्रेस नेताओं के परिजन महत्वपूर्ण पदों पर हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों के मुताबिक, तेलंगाना में कांग्रेस की संभावनाएं क्षीण हैं।

केरल अकेला दक्षिणी राज्य है, जहां भाजपा की राजनीति अभी तक सफल नहीं हुई है। हिंदू राज्य की कुल आबादी का करीब 55 प्रतिशत हैं और वहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी लंबे समय से सक्रिय है, जिसके प्रचारक स्थानीय स्तर पर बेहद सक्रिय हैं। इसके बावजूद राज्य में भाजपा का असर न के बराबर है, क्योंकि हिंदू धर्म में आस्था होने के बावजूद वहां के लोग हिंदुत्व की राजनीति के प्रति आकर्षित नहीं हैं।

ये लेखक के अपनं विचार हैं।

